

भारत में सामाजिक नीति के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा आवास युवा जनसंख्या और परिवार कल्याण

प्रस्तावना

सामाजिक नीति किसी भी देश के सामाजिक, आर्थिक एवं मानवीय विकास का एक महत्वपूर्ण साधन है। इसका उद्देश्य समाज के वर्गों को समान अवसर प्रदान कर न्याय स्थिरता तथा कमजोर और वंचित वर्गों के स्तर में सुधार करना है। भारत में सामाजिक नीति के अंतर्गत सामाजिक सुरक्षा, आवास, युवा विकास, जनसंख्या नियंत्रण तथा परिवार कल्याण से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम और योजनाएँ संचालित की जाती हैं।

इन नीतियों का मुख्य उद्देश्य गरीबी, बेरोजगारी, असमानता, आवास की कमी तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को कम करके नागरिकों को सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है।

2. सामाजिक नीति का अर्थ

सामाजिक नीति से आशय उन सिद्धांतों, नियमों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों से है, जिनके माध्यम से सरकार समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है तथा नागरिकों के सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देती है।

सामाजिक नीति की परिभाषा* *

सरल शब्दों में: सामाजिक नीति सरकार द्वारा बनाई गई ऐसी नीतियों एवं योजनाओं का समूह है, जिनका उद्देश्य सामाजिक समस्याओं का समाधान करना, सामाजिक न्याय स्थापित करना तथा समाज के सभी वर्गों के कल्याण को सुनिश्चित करना है।

सामाजिक नीति के प्रमुख उद्देश्य

1. सामाजिक न्याय की स्थापना करना।
2. गरीबी एवं बेरोजगारी को कम करना।
3. महिलाओं, बच्चों, वृद्धों एवं दिव्यांगजनों का कल्याण करना।
4. नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आवास जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
5. सामाजिक एवं आर्थिक असमानताओं को कम करना।
6. परिवार और समुदाय के विकास को बढ़ावा देना।

3. भारत में सामाजिक सुरक्षा नीति

3.1 सामाजिक सुरक्षा का अर्थ

सामाजिक सुरक्षा से आशय उन व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों से है, जिनके माध्यम से व्यक्तियों और परिवारों को बीमारी, वृद्धावस्था, दुर्घटना, बेरोजगारी, मातृत्व तथा आय के अभाव जैसी परिस्थितियों में आर्थिक एवं सामाजिक

सहायता प्रदान की जाती है।

सामाजिक सुरक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कठिन परिस्थितियों में भी व्यक्ति अपनी बुनियादी आवश्यकताओं को पूरा कर सके और सम्मानपूर्वक जीवन व्यतीत कर सके।

3.2 सामाजिक सुरक्षा नीति के उद्देश्य

1. निर्धन एवं कमजोर वर्गों को आर्थिक सहायता प्रदान करना।
2. वृद्ध व्यक्तियों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा देना।
3. विधवा महिलाओं और दिव्यांगजनों को सहायता प्रदान करना।
4. श्रमिकों को बीमारी, दुर्घटना एवं अन्य जोखिमों से सुरक्षा देना।
5. मातृत्व के दौरान महिलाओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना।
6. सामाजिक असमानता और आर्थिक असुरक्षा को कम करना।

3.3 भारत में सामाजिक सुरक्षा से संबंधित प्रमुख योजनाएँ

1. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना: पात्र वृद्ध व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की व्यवस्था।
2. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना: निर्धारित पात्रता के अनुसार विधवा महिलाओं को पेंशन सहायता प्रदान करना।
3. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांगजन पेंशन योजना: पात्र दिव्यांग व्यक्तियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना।
4. कर्मचारी राज्य बीमा योजना (ESI): पात्र बीमित कर्मचारियों और उनके परिवारों को चिकित्सा तथा निर्धारित परिस्थितियों में नकद लाभ प्रदान करना।
5. कर्मचारी भविष्य निधि (EPF): पात्र कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति संबंधी बचत एवं सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था करना।
6. प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना: पात्र असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए अंशदायी पेंशन योजना।

3.4 सामाजिक सुरक्षा नीति का महत्व

आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सहारा मिलता है।

वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा बढ़ती है।

श्रमिकों और उनके परिवारों को सामाजिक जोखिमों से सुरक्षा मिलती है।

निर्धनता एवं सामाजिक असुरक्षा को कम करने में सहायता मिलती है।

नागरिकों के जीवन स्तर और सामाजिक सम्मान में सुधार होता है।

निष्कर्ष: सामाजिक सुरक्षा नीति समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षा प्रदान करके सामाजिक न्याय और कल्याणकारी राज्य की अवधारणा को मजबूत बनाती है।

4. भारत में आवास नीति

4.1 आवास नीति का अर्थ

आवास नीति से आशय सरकार द्वारा बनाई गई उन योजनाओं एवं कार्यक्रमों से है, जिनका उद्देश्य नागरिकों को सुरक्षित, पर्याप्त, स्वच्छ एवं किफायती आवास उपलब्ध कराना है।

आवास केवल रहने के लिए मकान उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली, स्वच्छता तथा बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है।

4.2 आवास नीति के उद्देश्य

1. बेघर परिवारों को आवास उपलब्ध कराना।
2. गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को पक्का मकान बनाने में सहायता देना।
3. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आवास की कमी को कम करना।
4. झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर में सुधार करना।
5. स्वच्छता एवं बुनियादी सुविधाओं को बढ़ावा देना।
6. महिलाओं तथा कमजोर वर्गों के आवास संबंधी अधिकारों और सुरक्षा को प्रोत्साहित करना।

4.3 भारत में आवास से संबंधित प्रमुख योजनाएँ

1. प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G): इस योजना का उद्देश्य पात्र ग्रामीण परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का घर उपलब्ध कराने में सहायता करना है।
2. प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (PMAY-U): इसका उद्देश्य पात्र शहरी परिवारों की आवास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता देना है। इसके अंतर्गत विभिन्न घटकों के माध्यम से शहरी आवास की समस्या का समाधान किया जाता है।
3. दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAY-NULM): यह शहरी गरीबों की आजीविका, कौशल विकास एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह प्रत्यक्ष रूप से आवास योजना नहीं है, लेकिन शहरी गरीबी कम करने में सहायक है।

4.4 आवास नीति का महत्व

बेघर परिवारों को सुरक्षित आवास प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार होता है।

महिलाओं, बच्चों एवं वृद्धों की सुरक्षा बढ़ती है।

स्वच्छता और स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार होता है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विकास को प्रोत्साहन मिलता है।

4.5 आवास नीति की प्रमुख समस्याएँ

1. भूमि एवं निर्माण सामग्री की बढ़ती लागत।
2. शहरी क्षेत्रों में आवास की अधिक मांग।
3. पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुँचाने में कठिनाइयाँ।
4. कुछ क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी।
5. बेघर एवं प्रवासी श्रमिकों की आवास संबंधी समस्याएँ।

निष्कर्ष: आवास नीति का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित और सम्मानजनक आवास प्राप्त करने में सहायता देना तथा जीवन की बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना है।

5. भारत में युवा नीति

5.1 युवा नीति का अर्थ

युवा नीति से आशय उन सरकारी नीतियों एवं कार्यक्रमों से है, जिनका उद्देश्य युवाओं के शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक, मानसिक एवं नेतृत्व संबंधी विकास को प्रोत्साहित करना है।

युवा किसी भी राष्ट्र की महत्वपूर्ण मानव संसाधन शक्ति होते हैं। इसलिए युवाओं को शिक्षा, कौशल, रोजगार और सामाजिक भागीदारी के अवसर उपलब्ध कराना राष्ट्रीय विकास के लिए आवश्यक है।

5.2 युवा नीति के उद्देश्य

1. युवाओं में शिक्षा एवं कौशल का विकास करना।
2. रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाना।
3. युवाओं में नेतृत्व क्षमता और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करना।
4. खेलकूद एवं शारीरिक विकास को प्रोत्साहित करना।
5. युवाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और रचनात्मकता को बढ़ावा देना।
6. सामाजिक सेवा एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना।
7. ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों के युवाओं को विकास के अवसर प्रदान करना।

5.3 भारत में युवा विकास से संबंधित प्रमुख नीतियाँ एवं कार्यक्रम

1. राष्ट्रीय युवा नीति, 2014: इस नीति में युवाओं के समग्र विकास, शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक समावेशन और नेतृत्व विकास पर जोर दिया गया।
2. मेरा युवा भारत (MY Bharat): यह युवाओं को सामुदायिक गतिविधियों, स्वयंसेवा, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण से जुड़ने के अवसर प्रदान करने वाला मंच है।
3. राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS): इसके माध्यम से विद्यार्थियों में सामुदायिक सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और नेतृत्व क्षमता का विकास किया जाता है।
4. नेहरू युवा केंद्र संगठन (NYKS): यह विशेष रूप से ग्रामीण युवाओं को संगठित करके सामाजिक गतिविधियों, नेतृत्व विकास और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देता है।
5. कौशल भारत मिशन (Skill India): इसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए उपयोगी कौशल और प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

5.4 युवा नीति का महत्व

युवाओं की क्षमता और कौशल का विकास होता है।
रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलता है।
युवाओं में नेतृत्व एवं निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है।
सामाजिक समस्याओं के समाधान में युवाओं की भागीदारी बढ़ती है।
राष्ट्रीय विकास में युवाओं के योगदान को प्रोत्साहन मिलता है।

5.5 युवा नीति की प्रमुख चुनौतियाँ

1. शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी।
2. ग्रामीण एवं शहरी युवाओं के अवसरों में अंतर।
3. गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण की कमी।
4. आर्थिक एवं सामाजिक असमानताएँ।
5. युवाओं तक सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ पहुँचाने में कठिनाइयाँ।

निष्कर्ष: युवा नीति का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सक्षम, आत्मनिर्भर, कुशल एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना है, ताकि वे समाज और राष्ट्र के विकास में प्रभावी योगदान दे सकें।

6. भारत में जनसंख्या नीति

6.1 जनसंख्या नीति का अर्थ

जनसंख्या नीति से आशय सरकार द्वारा बनाई गई उन नीतियों एवं कार्यक्रमों से है, जिनका उद्देश्य जनसंख्या से संबंधित समस्याओं का समाधान करना तथा जनसंख्या की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और संसाधनों की व्यवस्था करना है।

भारत में जनसंख्या नीति का संबंध केवल जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने से नहीं, बल्कि प्रजनन स्वास्थ्य, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और जनसंख्या की गुणवत्ता में सुधार से भी है।

6.2 जनसंख्या नीति के उद्देश्य

1. जनसंख्या और उपलब्ध संसाधनों के बीच संतुलन स्थापित करना।
2. परिवार नियोजन के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
3. मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना।
4. प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य संबंधी सेवाओं को बढ़ावा देना।
5. बाल विवाह को रोकने तथा विवाह की कानूनी आयु के पालन को प्रोत्साहित करना।
6. महिलाओं की शिक्षा एवं सशक्तीकरण को बढ़ावा देना।
7. जनसंख्या संबंधी समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करना।

6.3 भारत की राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000

भारत सरकार ने वर्ष 2000 में राष्ट्रीय जनसंख्या नीति घोषित की। इसका उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण के साथ प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना तथा जनसंख्या और विकास के बीच संतुलन स्थापित करना था।

इस नीति में निम्नलिखित बातों पर जोर दिया गया:

1. गर्भनिरोधक साधनों की उपलब्धता बढ़ाना।
2. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करना।
3. बच्चों के टीकाकरण को प्रोत्साहित करना।
4. जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण को मजबूत बनाना।
5. परिवार नियोजन संबंधी जानकारी उपलब्ध कराना।
6. महिलाओं की शिक्षा और स्वास्थ्य में सुधार करना।
7. छोटे परिवार के लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाना।

6.4 जनसंख्या नीति से संबंधित प्रमुख कार्यक्रम

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM): यह ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता में

सुधार करने के लिए कार्य करता है। इसके अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन सेवाओं को भी बढ़ावा दिया जाता है।

2. मिशन परिवार विकास: यह कार्यक्रम उच्च प्रजनन दर वाले चयनित क्षेत्रों में परिवार नियोजन सेवाओं की पहुँच और गुणवत्ता बढ़ाने पर केंद्रित है।

3. परिवार नियोजन कार्यक्रम: इसके माध्यम से लोगों को गर्भनिरोधक साधनों, जन्म के बीच उचित अंतराल और प्रजनन स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी एवं सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

6.5 जनसंख्या नीति का महत्व

जनसंख्या संबंधी समस्याओं के समाधान में सहायता मिलती है।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार होता है।

परिवार नियोजन सेवाओं की उपलब्धता बढ़ती है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य संसाधनों की बेहतर योजना बनाने में सहायता मिलती है।

महिलाओं को प्रजनन संबंधी निर्णय लेने में अधिक जानकारी और सहायता मिलती है।

6.6 जनसंख्या नीति की प्रमुख चुनौतियाँ

1. अशिक्षा एवं जागरूकता की कमी।

2. स्वास्थ्य सेवाओं की असमान उपलब्धता।

3. ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में परिवार नियोजन सेवाओं की कमी।

4. लैंगिक असमानता और सामाजिक रूढ़ियाँ।

5. जनसंख्या संबंधी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में क्षेत्रीय अंतर।

निष्कर्ष: जनसंख्या नीति का उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रजनन स्वास्थ्य में सुधार और नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए स्वैच्छिक, सूचित एवं अधिकार-आधारित विकल्प उपलब्ध कराना है।

7. भारत में परिवार कल्याण नीति

7.1 परिवार कल्याण का अर्थ

परिवार कल्याण से आशय उन योजनाओं, सेवाओं एवं कार्यक्रमों से है, जिनका उद्देश्य परिवार के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, आर्थिक सुरक्षा तथा सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है।

परिवार कल्याण नीति परिवार नियोजन तक सीमित नहीं है। इसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, पोषण, टीकाकरण, सुरक्षित मातृत्व, प्रजनन स्वास्थ्य और परिवार के समग्र कल्याण को शामिल किया जाता है।

7.2 परिवार कल्याण नीति के उद्देश्य

1. परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य में सुधार करना।
2. मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करना।
3. परिवार नियोजन की सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
4. बच्चों के पोषण एवं टीकाकरण को बढ़ावा देना।
5. महिलाओं के स्वास्थ्य और अधिकारों की रक्षा करना।
6. परिवारों को स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी प्रदान करना।
7. जिम्मेदार एवं स्वैच्छिक परिवार नियोजन को प्रोत्साहित करना।

7.3 भारत में परिवार कल्याण से संबंधित प्रमुख कार्यक्रम

1. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM): यह स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा मातृ, नवजात एवं बाल स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए कार्य करता है।
2. जननी सुरक्षा योजना (JSY): यह पात्र गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने के लिए निर्धारित शर्तों के अनुसार आर्थिक सहायता प्रदान करती है।
3. जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (JSSK): इसका उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पात्र गर्भवती महिलाओं और बीमार नवजात शिशुओं एवं शिशुओं को निर्धारित स्वास्थ्य सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराना है।
4. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY): यह पात्र गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं को निर्धारित शर्तों के अनुसार मातृत्व लाभ प्रदान करने वाली योजना है।
5. मिशन इन्द्रधनुष: इसका उद्देश्य नियमित टीकाकरण से छूट गए या आंशिक रूप से टीकाकृत बच्चों और गर्भवती महिलाओं तक टीकाकरण सेवाएँ पहुँचाना है।
6. एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) तथा आँगनवाड़ी सेवाएँ: इनके माध्यम से पात्र छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को पूरक पोषण, स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा तथा अन्य निर्धारित सेवाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं।

7.4 परिवार कल्याण नीति का महत्व

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में सुधार होता है।

परिवार नियोजन की जानकारी और सेवाएँ प्राप्त होती हैं।

बच्चों के पोषण एवं टीकाकरण को प्रोत्साहन मिलता है।

महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा मिलता है।

परिवारों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता विकसित होती है।

परिवार के सदस्यों के जीवन स्तर में सुधार होता है।

7.5 परिवार कल्याण नीति की प्रमुख चुनौतियाँ

1. स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जागरूकता की कमी।
2. ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी।
3. महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों में सीमित भागीदारी।
4. कुपोषण एवं मातृ स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएँ।
5. स्वास्थ्य योजनाओं के लाभों की जानकारी का अभाव।

निष्कर्ष: परिवार कल्याण नीति स्वस्थ, शिक्षित एवं सशक्त परिवारों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन से समाज के समग्र विकास को बढ़ावा मिलता है।

8. सामाजिक कार्य में इन नीतियों की भूमिका

सामाजिक कार्य का उद्देश्य व्यक्ति, समूह एवं समुदाय की समस्याओं का समाधान करना तथा उनके जीवन स्तर में सुधार लाना है। इसलिए सामाजिक कार्यकर्ता इन नीतियों को समाज के जरूरतमंद लोगों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता की प्रमुख भूमिकाएँ निम्नलिखित हैं:

1. जागरूकता: लोगों को सरकारी योजनाओं एवं उनके लाभों की जानकारी देना।
2. मार्गदर्शन: पात्र व्यक्तियों को आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों के बारे में बताना।
3. समुदाय संगठन: समुदाय को स्वास्थ्य, आवास, युवा विकास और परिवार कल्याण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना।
4. परामर्श: परिवार नियोजन, स्वास्थ्य, पोषण एवं सामाजिक सुरक्षा संबंधी मामलों में उचित जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध कराना।
5. वकालत: वंचित एवं कमजोर वर्गों की समस्याओं को प्रशासन के सामने प्रस्तुत करना।
6. समन्वय: सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों और समुदाय के बीच सहयोग स्थापित करना।
7. मूल्यांकन: योजनाओं के क्रियान्वयन तथा लाभार्थियों तक उनकी पहुँच का अध्ययन करना।
9. निष्कर्ष

भारत में सामाजिक नीति का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को सामाजिक न्याय, समान अवसर और सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। सामाजिक सुरक्षा नीति नागरिकों को आर्थिक एवं सामाजिक जोखिमों से सुरक्षा देती है। आवास नीति सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने में सहायता करती है। युवा नीति युवाओं के कौशल, रोजगार एवं

नेतृत्व क्षमता को विकसित करती है। जनसंख्या नीति जनसंख्या स्थिरीकरण और प्रजनन स्वास्थ्य पर ध्यान देती है, जबकि परिवार कल्याण नीति परिवार के सभी सदस्यों के स्वास्थ्य, पोषण एवं समग्र विकास को प्रोत्साहित करती है।

अतः इन सभी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन भारत को एक स्वस्थ, समतामूलक, सशक्त और कल्याणकारी समाज बनाने के लिए आवश्यक है। इसमें सरकार, सामाजिक कार्यकर्ताओं, गैर-सरकारी संगठनों तथा समुदाय की सहभागिता महत्वपूर्ण है।